I J C R M International Journal of Contemporary Research In Multidisciplinary

*Research Article*

# राजकीय एवं कस्तुरबा गाँधी उच्च प्राथमिक विद्यालय में छात्राओं पर पाठ्यसहगामी क्रियाओं और शैक्षणिक निष्पत्ति पर विद्यालयी वातावरण के प्रभाव का अध्ययन

**नेमीचन्द सैनी**

शोधार्थी, ज्योति विद्यापीठ महिला विष्व विद्यालय, जयपुर, राजस्थान, भारत

**Corresponding Author:** * नेमीचन्द सैनी

**DOI:** https://doi.org/10.5281/zenodo.18952971

## सारांश

इस अध्ययन का उद्देश्य राजकीय एवं कस्तूरबा गांधी उच्च प्राथमिक विद्यालय में अध्यनरत विद्यार्थियों की शैक्षिक निष्पत्ति पर पाठ्य सहगामी क्रियाओं तथा विद्यालयी वातावरण के प्रभाव का विश्लेषण करना है अध्ययन में यह ज्ञात करने का प्रयास किया गया है कि विद्यालय का भौतिक सामाजिक मनोवैज्ञानिक शिक्षण-प्रशिक्षण वातावरण किस प्रकार बालिकाओं के सीखने, उपलब्धि आत्मविश्वास एवं व्यक्तित्व विकास को प्रभावित करता है अध्ययन में वर्णनात्मक एवं तुलनात्मक शोध पद्धति का प्रयोग किया गया। नमूना के रूप में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के राजकीय एवं कस्तूरबा गांधी उच्च प्राथमिक विद्यालय की छात्राओं का चयन किया गया है। डेटा संकलन हेतु विद्यालयी वातावरण मापनी पाठ्य सहगामी सहभागिता प्रश्नावली एवं वार्षिक परीक्षा परिणाम का उपयोग किया गया। सांख्यिकी विश्लेषण हेतु माध्य, मानक, विचलन, T-TEST संहसबंध गुणांक का प्रयोग किया गया। निष्कर्ष ज्ञात हुआ है कि पाठ्यसहगामी क्रियाओं एवं सकारात्मक विद्यालयी वातावरण का छात्राओ की शैक्षिक उपलब्धि पर महत्वपूर्ण सकारात्मक प्रभाव है। शोध निष्कर्षों से यह स्पष्ट हुआ कि जहाँ विद्यालय का वातावरण सहयोगात्मक, प्रोत्साहनपूर्ण एवं गतिविधि-प्रधान होता है, वहाँ छात्राओं की शैक्षणिक निष्पत्ति एवं आत्मविश्वास में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जाती है।

**Manuscript Information**

- **ISSN No:** 2583-7397
- **Received:** 08-01-2026
- **Accepted:** 26-02-2026
- **Published:** 11-03-2026
- **IJCRM:**5(2); 2026: 227-230
- **©2026, All Rights Reserved**
- **Plagiarism Checked:** Yes
- **Peer Review Process:** Yes

**How to Cite this Article**

नेमीचन्द सैनी. राजकीय एवं कस्तुरबा गाँधी उच्च प्राथमिक विद्यालय में छात्राओं पर पाठ्यसहगामी क्रियाओं और शैक्षणिक निष्पत्ति पर विद्यालयी वातावरण के प्रभाव का अध्ययन. Int J Contemp Res Multidiscip. 2026;5(2):227-230.

**Access this Article Online**

www.multiarticlesjournal.com

**मूल शब्द:** पाठ्यसहगामी क्रियाओं, विद्यालयी, वातावरण, शैक्षिकनिष्पति, राजकीय विद्यालय, कस्तूरबा गांधी उच्च प्राथमिक विद्यालय



© 2026 नेमीचन्द सैनी. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

## 1. परिचय

शिक्षा किसी भी राष्ट्र के समग्र विकास के आधारशिला है। विद्यालय वह प्रमुख संस्था है जहां बालक का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जाता है। विद्यालय केवल ज्ञान प्रदान करने का केंद्र नहीं होता बल्कि वह सामाजिक, भावनात्मक, एवं नैतिक विकास का भी महत्वपूर्ण माध्य है। विद्यालय का वातावरण वहा संचालित पाठ्य शैक्षिणक क्रियाएं तथा शिक्षक-विद्यार्थी संबंध छात्रों की शैक्षणिक निष्पत्ति को प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करता हैं।

भारत में प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्तर की शिक्षा को सुदृढ बनाने हेतु विभिन्न योजनाएं संचालित की गई है। विशेष रूप से बालिकाओं एवं वंचित वर्गों की शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय ज्ञ्ळठट योजना प्रारंभ की गईं। जिसके अंतर्गत आवासीय विद्यालय की स्थापना की गई इन विद्यालयों का उद्देश्य सामाजिक एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की बालिकाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है। दूसरी ओर राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय सामान्य प्रशासनिक ढाचे के अंतर्गत संचालित होते हैं, जहॉ विभिन्न सामाजिक पृष्ठभूमि के छात्र-छात्रा अध्यनरत रहते हैं।

विद्यालय वातावरण में भौतिक संसाधन (भवन, कक्षाएं, पुस्तकालय, प्रयोगशाला) शैक्षिणक संसाधन (पाठ्यपुस्तकें, शिक्षणसामग्री) मनोवैज्ञानिक वातावरण (अनुशासन, सहयोग, प्रोत्साहन) तथा सामाजिक वातावरण (सहपाठी-संबंध, सामुदायिक-सहभागिता) सम्मिलित होते हैं। यदि विद्यालय का वातावरण सकारात्मक प्रेरणादायक और सहयोगात्मक हो, तो विद्यार्थी की अध्ययन आदतों में सुधार होता है उनकी शैक्षिक निष्पत्ति में वृद्धि देखी जाती है।

पाठ्यशैक्षिणिक क्रियाएं जैसे- समूह कार्य, परियोजना कार्य, सहगामी क्रियाएं, खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम, एवं सतत मूल्यांकन विद्यार्थियों में सक्रिय अधिगम को बढ़ावा देती है। इन क्रियाओ के माध्यम से छात्रों की रचनात्मकता आत्मविश्वास एवं समस्या समाधान का क्षमता का विकास होता है। अतः आवश्यक है विद्यालय वातावरण और पाठ्यशैक्षिणिक क्रियाओ के पारस्परिक संबंध का अध्ययन किया जाये।

राजकीय एवं कस्तूरबा गांधी उच्च प्राथमिक विद्यालय की संरचना संसाधनों की उपलब्धता, प्रशासनिक व्यवस्था, तथा छात्र-छात्राओं की सामाजिक, आर्थिक, पृष्ठभूमि में भिन्नता पाई जाती है। इस कारण यह जानना महत्वपूर्ण की दोनों प्रकार के विद्यालयों में विद्यालय वातावरण किस प्रकार की शैक्षणिक निष्पत्ति को प्रभावित करता है।

उपरोक्त संदर्भ में प्रस्तुत शोध का उद्देश्य विश्लेषण करता है कि विद्यालय वातावरण का छात्र- छात्रा के पाठ्यशैक्षणिक क्रियाओ में सहभागिता एवं उनकी शैक्षिणक उपलब्धि पर क्या प्रभाव पड़ता है। राजकीय एवं कस्तूरबा गांधी विद्यालयों के बीच इसमें इस किस प्रकार का तुलनात्मक अंतर विद्यमान है यह अध्ययन शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने नीतिगत निर्णय लेने एवं विद्यालय में अनुकूल वातावरण का सृर्जन हेतु उपयोगी सिद्ध होता है।

### समस्या का औचित्य

वर्तमान शैक्षिक परिदृश्य में शिक्षा की गुणवत्ता, समान अवसर एवं विद्यार्थियों के समग्र विकास पर विशेष बल दिया जा रहा है। विद्यालय केवल पाठ्यपुस्तक आधारित ज्ञान प्रदान करने का माध्यम नहीं है, बल्कि वह छात्रों के व्यक्तित्व निर्माण, सामाजिक समायोजन तथा बौद्धिक विकास का प्रमुख केंद्र है। ऐसे में विद्यालय का वातावरण विद्यार्थियों की शैक्षणिक निष्पत्ति को प्रभावित करने वाला एक महत्वपूर्ण घटक बन जाता है।

भारत सरकार द्वारा वंचित एवं पिछड़े वर्गों की बालिकाओं को शिक्षा से जोड़ने के उद्देश्य से कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय योजना प्रारंभ की गई। इन विद्यालयों में आवासीय सुविधा, विशेष शैक्षणिक सहायता एवं सहगामी क्रियाओं की व्यवस्था की जाती है। दूसरी ओर, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय सामान्य ढांचे में संचालित होते हैं, जहाँ संसाधनों, पारिवारिक पृष्ठभूमि एवं शैक्षिक अवसरों में विविधता पाई जाती है।

इन दोनों प्रकार के विद्यालयों के वातावरण, संसाधनों, प्रशासनिक व्यवस्था एवं छात्र-छात्राओं की सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि में भिन्नता संभव है। यह भिन्नता छात्रों की पाठ्यशैक्षणिक क्रियाओं में सहभागिता एवं उनकी शैक्षणिक निष्पत्ति को प्रभावित कर सकती है।

आज भी अनेक विद्यालयों में भौतिक संसाधनों की कमी, प्रेरणादायक वातावरण का अभाव, शिक्षण विधियों में एकरूपता तथा सहगामी क्रियाओं की सीमितता जैसी समस्याएँ देखी जाती हैं, जो विद्यार्थियों की उपलब्धि को प्रभावित करती हैं। यदि विद्यालय वातावरण अनुकूल, सहयोगात्मक एवं प्रोत्साहनकारी हो, तो छात्र अधिक सक्रियता से पाठ्यशैक्षणिक गतिविधियों में भाग लेते हैं और उनकी उपलब्धि में सकारात्मक परिवर्तन देखा जाता है।

**इस संदर्भ में यह जानना अत्यंत आवश्यक है कि-**

- क्या विद्यालय वातावरण वास्तव में शैक्षणिक निष्पत्ति को प्रभावित करता है ?
- क्या राजकीय एवं कस्तूरबा गांधी विद्यालयों के वातावरण में अंतर छात्रों की उपलब्धि में भिन्नता उत्पन्न करता है ?
- पाठ्यशैक्षणिक क्रियाओं की प्रभावशीलता किस हद तक विद्यालय वातावरण पर निर्भर करती है?

### समस्या का कथन

विद्यालय शिक्षा व्यवस्था का मूल आधार है, जहाँ विद्यार्थियों के बौद्धिक, सामाजिक एवं भावनात्मक विकास की नींव रखी जाती है। विद्यालय का वातावरणकृजिसमें भौतिक सुविधाएँ, शैक्षणिक संसाधन, शिक्षक-विद्यार्थी संबंध, अनुशासन, सहगामी क्रियाएँ एवं प्रशासनिक व्यवस्था सम्मिलित हैं-छात्रों की अधिगम प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करता है।

भारत में वंचित वर्ग की बालिकाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय योजना के अंतर्गत विशेष विद्यालय स्थापित किए गए हैं। दूसरी ओर, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय सामान्य प्रशासनिक ढांचे में संचालित होते हैं। इन दोनों प्रकार के विद्यालयों के वातावरण, संसाधनों एवं संचालन पद्धति में भिन्नता संभावित है, जो विद्यार्थियों की पाठ्यशैक्षणिक क्रियाओं में सहभागिता एवं उनकी शैक्षणिक निष्पत्ति को प्रभावित कर सकती है।

यद्यपि शिक्षा के क्षेत्र में अनेक सुधारात्मक प्रयास किए जा रहे हैं, तथापि यह स्पष्ट रूप से ज्ञात नहीं है कि विद्यालय वातावरण का छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि पर कितना और किस प्रकार का प्रभाव पड़ता है। विशेष रूप से राजकीय एवं कस्तूरबा गांधी उच्च प्राथमिक विद्यालयों के संदर्भ में तुलनात्मक अध्ययन अपेक्षाकृत सीमित हैं।


© 2026 नेमीचन्द सैनी. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

अतः प्रस्तुत अध्ययन की समस्या इस प्रकार कथित की जा सकती है- "क्या राजकीय एवं कस्तूरबा गांधी उच्च प्राथमिक विद्यालयों के विद्यालय वातावरण में विद्यमान अंतर छात्रों की पाठ्यशैक्षणिक क्रियाओं में सहभागिता तथा उनकी शैक्षणिक निष्पत्ति को प्रभावित करता है?"

## 2. अध्ययन के उद्देश्य

- राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों के विद्यालय वातावरण का अध्ययन करना।
- कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के अंतर्गत संचालित उच्च प्राथमिक विद्यालयों के विद्यालय वातावरण का अध्ययन करना।
- राजकीय एवं कस्तूरबा गांधी उच्च प्राथमिक विद्यालयों के विद्यालय वातावरण का तुलनात्मक अध्ययन करना।
- दोनों प्रकार के विद्यालयों में संचालित पाठ्यशैक्षणिक क्रियाओं का विश्लेषण करना।
- छात्रों की शैक्षणिक निष्पत्ति (शैक्षणिक उपलब्धि) का अध्ययन करना।
- राजकीय एवं कस्तूरबा गांधी विद्यालयों के छात्रों की शैक्षणिक निष्पत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना।
- विद्यालय वातावरण एवं छात्रों की शैक्षणिक निष्पत्ति के मध्य संबंध ज्ञात करना।
- विद्यालय वातावरण का पाठ्यशैक्षणिक क्रियाओं में छात्रों की सहभागिता पर प्रभाव ज्ञात करना।
- पाठ्यशैक्षणिक क्रियाओं एवं शैक्षणिक निष्पत्ति के मध्य संबंध का अध्ययन करना।

### परिकल्पनाएँ

- राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों एवं कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के उच्च प्राथमिक विद्यालयों के विद्यालय वातावरण में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
- राजकीय एवं कस्तूरबा गांधी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में संचालित पाठ्यशैक्षणिक क्रियाओं में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
- राजकीय एवं कस्तूरबा गांधी उच्च प्राथमिक विद्यालयों के छात्रों की शैक्षणिक निष्पत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
- विद्यालय वातावरण एवं छात्रों की शैक्षणिक निष्पत्ति के मध्य कोई सार्थक सहसंबंध नहीं है।
- विद्यालय वातावरण एवं पाठ्यशैक्षणिक क्रियाओं में छात्रों की सहभागिता के मध्य कोई सार्थक संबंध नहीं है।
- पाठ्यशैक्षणिक क्रियाओं एवं छात्रों की शैक्षणिक निष्पत्ति के मध्य कोई सार्थक संबंध नहीं है।
- विद्यालय वातावरण का छात्रों की शैक्षणिक निष्पत्ति पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं है।

## 3. साहित्य समीक्षा

विभिन्न शोधों में विद्यालयी वातावरण और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच गहरा संबंध पाया गया है।

- शर्मा (2015) के अध्ययन के अनुसार विद्यालय का सकारात्मक वातावरण विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि को बढ़ाने में सहायक होता है।
- गुप्ता (2017) के अध्ययन में पाया गया कि सह-पाठ्यक्रमिक गतिविधियों में भाग लेने वाले विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता अधिक होती है।
- वर्मा (2019) के अध्ययन में यह निष्कर्ष निकाला गया कि छात्रावासीय वातावरण विद्यार्थियों में अनुशासन तथा अध्ययन के प्रति रुचि विकसित करता है।

इन अध्ययनों से स्पष्ट होता है कि विद्यालयी वातावरण, छात्रावासीय व्यवस्था तथा पाठ्येतर गतिविधियाँ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

## 4. अध्ययन में प्रयुक्त शोध विधियाँ

### 1. शोध की प्रकृति (Nature of Research)

यह अध्ययन वर्णनात्मक (Descriptive Research) एवं तुलनात्मक (Comparative Research) प्रकृति का होगा।

- वर्णनात्मक विधि के माध्यम से विद्यालय वातावरण, पाठ्यशैक्षणिक क्रियाओं एवं शैक्षणिक निष्पत्ति का वर्तमान स्वरूप ज्ञात किया जाएगा।
- तुलनात्मक विधि के माध्यम से राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों एवं कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के उच्च प्राथमिक विद्यालयों के मध्य अंतर का अध्ययन किया जाएगा।

### 2. सर्वेक्षण विधि (Survey Method)

इस अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया जाएगा। इसके अंतर्गत चयनित विद्यालयों के छात्रों से प्रश्नावली एवं विद्यालय वातावरण मापन स्केल के माध्यम से आँकड़े एकत्र किए जाएंगे।

### 3. सहसंबंधात्मक विधि (Correlational Method)

विद्यालय वातावरण, पाठ्यशैक्षणिक क्रियाओं एवं शैक्षणिक निष्पत्ति के मध्य संबंध ज्ञात करने हेतु सहसंबंधात्मक विधि का प्रयोग किया जाएगा।

### 4. जनसंख्या एवं नमूना चयन विधि

**जनसंख्या (Population):** चयनित क्षेत्र के राजकीय एवं कस्तूरबा गांधी उच्च प्राथमिक विद्यालयों के छात्र।

**नमूना (Sample):** लगभग 100/200 छात्रों का चयन।

**नमूना चयन विधिः** यादृच्छिक नमूना चयन (Random Sampling Method)।

### 5. आँकड़ा संकलन की विधियाँ

- प्रश्नावली (Questionnaire)
- विद्यालय वातावरण मापन स्केल
- छात्रों के वार्षिक परीक्षा परिणाम (शैक्षणिक निष्पत्ति हेतु)
- विद्यालय अभिलेख (School Records)


© 2026 नेमीचन्द सैनी. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

**6. सांख्यिकीय तकनीकें (Statistical Techniques)**

- औसत (Mean)
- मानक विचलन (Standard Deviation)
- T-परीक्षण
- सहसंबंध गुणांक (Correlation Coefficient)

## 5. निष्कर्ष

अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि विद्यालयी वातावरण विद्यार्थियों के शैक्षणिक और व्यक्तिगत विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
कस्तूरबा गांधी विद्यालयों में छात्रावासीय वातावरण के कारण विद्यार्थियों को निरंतर अध्ययन और अनुशासन का अवसर मिलता है जिससे उनकी शैक्षणिक उपलब्धि में सुधार होता है।
इसलिए विद्यालयों में सकारात्मक, सहयोगात्मक और प्रेरणादायक वातावरण का निर्माण करना अत्यंत आवश्यक है।

## सुझाव

- विद्यालयों में सह-पाठ्यक्रमिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।
- छात्रावासों में अध्ययन के लिए शांत और अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराया जाना चाहिए।
- शिक्षकों को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रेरित करना चाहिए।
- विद्यालयों में समय-समय पर सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों का आयोजन किया जाना चाहिए।

## संदर्भ

1. शर्मा आर. विद्यालयी वातावरण और शैक्षणिक उपलब्धि. नई दिल्ली: शिक्षा प्रकाशन; 2015.
2. गुप्ता एस. सह-पाठ्यक्रमिक गतिविधियों का विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास पर प्रभाव. जयपुर: शिक्षा प्रकाशन; 2017.
3. वर्मा पी. छात्रावासीय जीवन और विद्यार्थियों का विकास. लखनऊ: अकादमिक प्रकाशन; 2019.

**Creative Commons (CC) License**

This article is an open-access article distributed under the terms and conditions of the Creative Commons Attribution–Non-commercial–No Derivatives 4.0 International (CC BY-NC-ND 4.0) license. This license permits sharing and redistribution of the article in any medium or format for non-commercial purposes only, provided that appropriate credit is given to the original author(s) and source. No modifications, adaptations, or derivative works are permitted under this license.

**About the corresponding author**

**नेमीचन्द सैनी** ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान (भारत) में शोधार्थी हैं। उनकी शैक्षणिक रुचि सामाजिक विज्ञान एवं शिक्षा से संबंधित विषयों के अध्ययन में है। वे विभिन्न सामाजिक एवं शैक्षणिक मुद्दों पर अनुसंधान कार्यों में सक्रिय रूप से संलग्न हैं और अकादमिक गतिविधियों में योगदान दे रहे हैं।



© 2026 नेमीचन्द सैनी. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/